नवल किशोर शर्मा

राज्यपाल, गुजरात

राजभवन

गांधीनगर-३८२ ०२०

दिनांक ०१-०९-२००८

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण व्यूरो (भारत) का चतुर्थ स्थापना दिवस दिनांक ०२ जनवरी, २००९ को बैंकाक में होने जा रहा है। साथ ही इस अवसर पर एक स्मारिका का भी विमोचन होने जा रहा है। मुझे आशा है यह स्मारिका पठनीय, संगृहणीय एवं लोगों के लिए प्रेरणादायी होगी।

मुझे आशा है अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण व्यूरो अपने उदेश्य समता मूलक समाज की स्थापना करने मे सफल हो। मुझे खुशी है कि संस्था ने गांधी जी के सिध्दांत को अपनाकर गरीबी रेखा से नीचे जीने वाले लोगों के उत्थान का संकल्प लिया है। विज्ञान की सफलता के साथ साथ ज्ञान के क्षेत्र में भी संस्था प्रयास करने में कृत संकल्प है। इससे ज्ञान व विज्ञान में संतुलन पैदा होगा , जिससे प्रकृति व मनुष्य के बीच भी संतुलन बनेगा। गांधी जी ने कहां था कि शहरों के विकास के साथ साथ गांवों के विकास पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए असली भारत गांवों में ही निवास करता है। गांवों के विकास पर ही शहरों का विकास निर्भर करता है। इसलिए गरीब किसान जो महनत करता है, उसके सिर पर छप्पर है या नहीं उसपर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके लिए हमें उनके बीच रहकर उनके सुख-दु:ख में हिस्सा लेना और उनकी शिक्षा तथा उपयोगी ज्ञान का प्रचार करना बहुत आवश्यक है। लोगों को अपने अधिकारों के प्रति उदासीनता से बहार निकालने का कार्य हमें करना है। इसलिए विज्ञान एवं अध्यात्मक के साथ सामंजस्य स्थापित कर मनुष्यों के उत्थान के कार्य पर ध्यान देना चाहिए।

हम सभी का उदेश्य आतंकवाद विहिन उत्तम समाज की स्थापना करना और जीवन में उच्च नैतिक मूलयों की स्थापना करना है इसके लिए हमें -***भारत की संस्कृति, महात्मागांधी का सत्य और अहिंसा का रास्ता, प्रेम का रास्ता अपनाना होगा।*** *हमारी संस्कृति सदैव* ***:वसुधैव कुटुम्बकम्:*** *का संदेश देती रही है। यह बात सही है कि असुर संस्कृति के नाम पर खून खराबा करते हैं। जबतक हम* ***:सर्वधर्म समभाव:*** *नहीं देखेंगे और अपनी संस्कृति के साथ साथ दूसरी संस्कृतियों का आदर नहीं करेगे तो जीवन में उच्च नैतिकता का अभाव हमेशा खटकता रहेगा।*

मैं अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण व्यूरो के चतुर्थ स्थापना दिवस तथा स्मारिक के सफल प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामनाऐं प्रेषित करता हूं।

(नवल किशोर शर्मा)

D.O No. 2546 /AP/MOS (H-J)/2008

श्रीप्रकाश जायसवाल
SRIPRAKASH JAISWAL

सत्यमेव जयते

राज्य मंत्री
गृह मंत्रालय
नार्थ ब्लाक, नई दिल्ली-110001
MINISTER OF STATE
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
NORTH BLOCK, NEW DELHI-110001

31 OCT 2008

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो (भारत) के चतुर्थ स्थापना दिवस पर अधिकृति नामक सरक्षिका के स्मारिका का विमोचन 02 जनवरी, 2009 को बैंकाक में किया जा रहा है। संस्था द्वारा आतंकवाद विहिन उत्तम समाज की स्थापना करना और जीवन में उच्च नैतिक मूल्यों की स्थापना करने का यह एक सराहनीय प्रयास है।

मैं इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं एवं स्मारिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूं।

(श्रीप्रकाश जायसवाल)

श्री देवेन्द्र कुमार पाठक,
सचिव, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो,
जे.6/7, बी पुलिस स्टेशन के पास,
अमर शहीद डा0 बाल जी पाठक मार्ग,
जैतपुरा, वाराणसी, उ0प्र0

"Please visit our website at.http://mha.nic.in"

G.S.HO/9/5715/08

PRESS SECRETARY
TO THE GOVERNOR OF GUJARAT

Phone : (079) 23243171-72-73 Ex.-233
Mobile : 9978405127
Fax No. : (079) 23231121
RAJ BHAVAN
Gandhinagar-382 020.
Date : - 4 SEP 2008

TO,

Shri Devendra Kumar Pathak,
Secretary.
International Human Rights Protection
Bureau (India)
J.6/7 B, Near Police Station,
Amar Shahid Dr. Balji Pathak Marg,
Jaitpura, Varanasi-221 001.
U.P.

Sir,

I am desired to refer to your letter addressed to His Excellency the Governor of Gujarat and to send herewith a message alongwith the photograph of His Excellency theGovernor of Gujarat.

Kindly acknowledge the receipt.

Yours faithfully,

: **M.M. Shaikh** :
Press Secretary to the
Governor of Gujarat.

राज्यपाल हरियाणा
GOVERNOR HARYANA

हरियाणा राजभवन,
चण्डीगढ़।
HARYANA RAJ BHAVAN,
CHANDIGARH.

Message

It gives me pleasure to know that the International Human Rights Protection (IHRP)Bureau (India) is going to release its Souvenir entitled "Adhikriti - Manavadhikar Samrakshika" on 2nd January, 2009 at Bankong with a view to apprising the people how to protect their rights.

The hallmark of any civilized society is that each and every human being lives a life of dignity and respect irrespective of his caste, creed and religion for which the protection of human rights in every part of the world is essential.

No doubt, we have made tremendous progress economically, but in the process we have not given enough attention to human rights resulting in violation of the rights of those who are poor, backward, physically weak and financially dependent.

I am confident that the publication of this Souvenir by the IHRD Bureau will certainly acquaint the people about their rights along with their duties in their day to day life.

I convey my best wishes for the successful publication of the souvenir.

ARKidwai

(A.R. Kidwai)

सत्यमेव जयते
GOVERNOR OF TRIPURA

RAJ BHAVAN
AGARTALA - 799 006
☎ 0381-2324091, 2325767

08 दिसम्बर, 2008

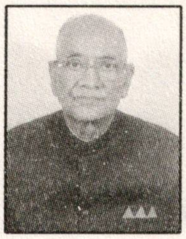

संदेश

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो (भारत) के चतुर्थ स्थापना दिवस पर "अधिकृति" नामक स्मारिका का विमोचन 02 जनवरी, 2009 को किया जा रहा है।

आज के भौतिकवादी युग में सभी मनुष्यों के लिए न्यूनतम मानव अधिकारों का संरक्षण अत्यावश्यक है अन्यथा मानवाधिकार के हनन की घटनाएं प्रायः रिपोर्टों में दिखाई देती हैं। सभी के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विधिभित्तिक व्यवस्था मानवाधिकार के आधारभूत सिद्धांत हैं। इनके संरक्षण और पोषण के लिए देश और शासन तथा प्रत्येक मनुष्य को सतत् रूप से सतर्क रहना होगा। आशा है कि अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो तथा प्रकाशित होनेवाली स्मारिका "अधिकृति" मानव अधिकारों के प्रसार–प्रचार के लिए महत्वपूर्ण योगदान करेगी।

इस स्मारिका के विमोचन की सफलता की शुभकामना करता हूं।

(दिनेश नंदन सहाय)

श्री देवेन्द्र कुमार पाठक,
सचिव,
अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो,
जे. 6/7 बी, पुलिस स्टेशन के नजदीक,
अमर शहीद डॉ0 बालजी पाठक मार्ग,
जैतपुरा,
वाराणसी–221 001
उत्तर प्रदेश।

एस. वी. एम. त्रिपाठी
पूर्व महानिदेशक, उ०प्र० पुलिस तथा के०रि०पु०ब०
पूर्व सदस्य, उ०प्र० मानव अधिकार आयोग

'सुकृति'
3/481, विशाल खण्ड
गोमती नगर, लखनऊ - 226010
टेलीफोन न.- 2395039,2304218
ई–मेल : svmt@sancharnet.in

दिनांक :
9 सितम्बर 2008

सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार ब्यूरो (भारत) के चतुर्थ स्थापना दिवस पर दिनांक 2 जनवरी 2009 को "अधिकृति" नामक मानव अधिकार संरक्षिका के स्मारिका का विमोचन होने जा रहा है।

मानव गरिमा ही मानव अधिकार का मूल आधार तथा केन्द्र बिन्दु है। वर्तमान परिपेक्ष्य में मानव गरिमा पर समाज के कुछ अराजक तत्वों तथा राज्य तंत्र दोनों की ओर से प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावनायें बढ़ रही हैं। विधि विरुद्ध आचरण करने वाले व्यक्तियों के धन, बाहुबल तथा शक्तिशाली प्रश्रय के विस्तार में कोई कमी नहीं दृष्टिगोचर हो रही है। आन्तरिक सुरक्षा के क्षेत्र में बढ़ते हुए दबाव तथा व्यापक भ्रष्टाचार के कारण शासन तंत्र के कार्यकलापों में भी असहिष्णुता तथा संवेदनहीनता का बाहुल्य हो सकता है। यह दर्शन भी अब स्थापित है कि प्रत्येक व्यक्ति के मानव अधिकारों के संरक्षण का पूर्ण दायित्व राज्य पर है।

यदि "सबके लिये सभी मानव अधिकार" के स्वप्न को साकार करना है तो समाज तथा शासन तंत्र को अपनी सोच को परिवर्तित करना होगा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अनुसार प्रत्येक अधिकार किसी कर्तव्य से जोड़ा जा सकता है। अतः समाज को इन दोनों में सन्तुलन स्थापित करना होगा। यह राज्य तंत्र के हित में है कि सुप्रशासन के माध्यम से वह मानव अधिकार संरक्षण का ध्येय प्राप्त करें। यदि समाज में यह व्यापक अनुभूति हो कि राज्य इस दिशा में सक्रिय है तो निश्चित रूप से राज्य कार्य सरल तथा और प्रभावी हो जायेगा।

2

एस. वी. एम. त्रिपाठी
पूर्व महानिदेशक, उ०प्र० पुलिस तथा के०रि०पु०ब०
पूर्व सदस्य, उ०प्र० मानव अधिकार आयोग

'सुकृति'
3/481, विशाल खण्ड
गोमती नगर, लखनऊ - 226010
टेलीफोन न.- 2395039,2304218
ई–मेल : svmt@sancharnet.in

दिनांक :

-2-

समाज में मानव अधिकार साक्षरता अति आवश्यक है। इस क्षेत्र में स्वैच्छिक संस्थाएं अधिक कारगर होती हैं। अतः मानव अधिकार साक्षरता बढ़ाने का अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार ब्यूरो (भारत) का प्रयास साधुवाद का पात्र है।

मैं इस अवसर पर अपनी हार्दिक शुभ कामनायें देता हूँ।

(एस. वी. एम. त्रिपाठी)

सत्यमेव जयते

गिरधारी लाल भार्गव
संसद सदस्य (लोक सभा)

सन्देश

6, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001
फोन : 23782820

मुझे जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई है कि अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो भारत के चतुर्थ स्थापना दिवस पर दिनांक 02 जनवरी 2009 को बैंकाक में अधिकृति नामक मानवाधिकार संरक्षिका के पुस्तक का विमोचन बैंकाक में होने जा रहा है। यह जानकर प्रसन्नता हुयी है कि ब्यूरो ने समाज के पिछड़े गरीब एवं गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले परिवारो के उत्थान का संकल्प लिया है। यह एक सराहनीय प्रयास है।

स्मारिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ। हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

सधन्यवाद!

आपका

गिरधारी लाल भार्गव
(गिरधारी लाल भार्गव)
२१/१२/२००८

श्री देवेन्द्र कुमार पाठक,
सचिव, अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो,
भारत।

जयपुर निवास : कान महाजन का बड़, पुरानी बस्ती, जयपुर फोन : 2310167, 2316809

संजीव हंस
भा०प्र०से०
जिला पदाधिकारी
बेगूसराय

☎ : 06243 - 212285 (का०)
- 200584 (आ०)
- 200571 (फैक्स)

शुभकामना

मुझे यह जानकर काफी प्रसन्नता हो रही है कि अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सरंक्षण ब्यूरो (भारत) के चतुर्थ स्थापना दिवस पर **"अधिकृति नामक मानवाधिकार संरक्षिका"** के स्मारिका का विमोचन दिनांक 02.01.2009 को बैंकाक में होने जा रहा है। यह एक अच्छी पहल है कि इस संस्था द्वारा गरीबी रेखा से नीचे जाने वालों दलितों के उत्थान का संकल्प लिया गया है।

आज राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार के उल्लंधन की घटनायें बढ़ती जा रही है। उसकी रोक थाम के लिए सरकार के स्तर से तो पहल की ही जा रही है तथा आपके संस्थान के द्वारा इसमें सहयोग किया जा रहा है।

शुभकामनाओं के साथ ।

Sanjeev Hans

(संजीव हंस)
जिला पदाधिकारी
बेगूसराय।

सेवा में,

श्री जी0पी0 चमड़िया,
प्रदेश अध्यक्ष,
अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सरंक्षण ब्यूरो (भारत)

Amit Lodha
I.P.S.

बेगूसराय, दिनांकः—22/8/08

अर्द्ध सरकारी पत्र सं0 ....4034..... / गोपनीय,

मनुष्य ने ज्ञान एवं विज्ञान के क्षेत्र में आशातीत सफलता प्राप्त कर अपेक्षा से अधिक विकास किया है। पुरे विश्व में प्राकृतिक एवं मनुष्य के बीच उपजी असंतुलन जिसका ज्वलंत उदाहरण है। विकास की होड़ में संकुचित होती मानवीयता एवं संवेदना की धारा प्रायः हर जगह सुखने सी लगी है। आदमी आत्महीन होकर मशीन सरीखा प्रदर्शन करने लगा है। समाज में घटित हो रही अमानवीय घटनायें भी मनुष्य की संवेदना को प्रभावित नहीं कर पा रही है। पैसे की होड़ में आदमीयता कहीं लूप्त सा होता जा रहा है। सभी जगह पर केवल अधिकारों की चर्चा अधिक होकर कर्तव्यों के प्रति उदासीनता बरती जा रही, जबकि अधिकार एवं कर्तव्य एक दूसरे के पूरक है। समाज में आदमी की बढ़ती भुख ने उसके ह्दय एवं मस्तिष्क को सुसुप्त कर दिया है। अप्राकृतिक रूप से समाज में घटित हो रही मानवाधिकार के उल्लंधन की घटनाओं की रोकथाम हेतु सरकार ने एक ऐसे मंच की आवश्यकता महसूस की जो लोगों के इस संबंध में जागृत कर सके। अर्न्तराष्टीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो के चतुर्थ स्थापना दिवस पर ब्यूरो के उज्ज्वल भविष्य की कामना के लिए बेगूसराय पुलिस की ओर से हार्दिक शुभकामना देता हूँ एवं आशा करता हूँ कि सामाजिक एवं मानवीय नैतिक मूल्यों के संरक्षण हेतु यह संगठन हमेशा अग्रतर रहेगा।

सधन्यवाद।

22-8

(अमित लोढ़ा)
पुलिस अधीक्षक,
बेगूसराय।

सेवा में,

श्री जी0पी0 चमड़िया,
प्रदेश अध्यक्ष, बिहार।
अर्न्तराष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो (भारत)।

आर. एस. शुक्ला भा.व.से.
M.Sc. A.I.F.C.
PG(ITC) The Netherlands

दूरभाष : 0522-2395161
0522-2394981
आवास : "ग्रीनर" 1/122, विजय खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ
E-mail : rsgreeners@yahoo.com

1. *Founder Director :* Trees for Life Society India, Allahabad Chapter
2. *Founder Member :* Prayagraj Industries Afforestation Development Authority (PRIYADA)
3. Distributor of Five Lac. Guava seedings as "Briksha Prasad" in Mahakumbh - Allahabad - 1989.
4. Technical innovation for Environmental care and Greening of Shaktinagar, Vindhyachal, Dadri Power Plants of NTPC.
5. Technology for greening over burden of coal mines of Bina Kakri, Khadia etc. of N.C.L.
6. Ex-Member steering committee of World Bank Forestry Project, U.P.
7. **Chairperson of MOEF,** New Delhi Subcommittee on Forestry outside reserve forests-for Xth five year plan.
8. Empanelled consultant of Asian Development Bank Manila on Agro forestry, forestry education & eco-developments.
9. Member of Task Force of Planning Commission GOI, New Delhi on **Medicinal Plants.**

Greening India

10. People's participation in Social Forestry Formulated & Executed operation Green - 2001 in U.P.
11. *Awarded.*
    1. **Paryawaran Shiromani**
    2. **Ballia Gaurav**
    3. **Acharya Shri Ram Sharma Vangusaraya Puraskar.**
    4. **Honour for Book Forestry for Tribal Development**
    5. **Man of the year - 2002**
    6. **American Medal of Honour - 2003 Limited Striking.**

स्थानीय स्तर में जन स्वास्थ्य विषयक प्रदूषण निवारण, दूषित रक्त दान, बाल श्रमिक शोषण निवारण, आदिवासी जन जातियों को वन भूमि सम्बन्धी अधिकार दिलाने, पुलिस व वन अधिकारियों व प्रशासन के उत्पीड़न से मुक्ति दिलाने, महिला शोषण व निर्बल निर्धन व निसहाय लोगों के अधिकारों के संरक्षण में इस संस्था ने जो कार्य किये है वह अत्यन्त प्रशंसनीय रहे हैं। इस संस्था के पदाधिकारियों व कार्यकताओं का उत्साह इनके कार्यक्रमों में देखते ही बनता है।

डा0 जी0पी0 दूबे, अध्यक्ष तथा श्री देवेन्द्र कुमार पाठक, सचिव के दिशा निर्देशन व सद्प्रयासों से यह संस्था उत्तरोत्तर अग्रसर हुई है। इसके सभी प्रान्तों के संरक्षक पदाधिकारी व कार्यकर्ता बधाई के पात्र है।

इस संस्था से जुड़कर मै अपने को गौरवान्वित अनुभव करता हूँ। मुझसे जो भी बन सकेगा, इस संस्था के लिए करने को तत्पर रहूँगा।

मै "स्मारिका" के प्रकाशन के इस शुभअवसर "अन्तरराष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण व्यूरो" (भारत), वाराणसी के निरंतर सफलता की हार्दिक कामना करता हूँ तथा उज्जवल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूँ।

21/09/08

आर0एस0 शुक्ला
भा0व0से0
(से0नि0)
प्रमुख वन संरक्षक / प्रबन्ध निदेशक
उत्तर प्रदेश, वन निगम

रश्मि कान्त शुक्ला,
भा०व०से०

मुख्य वन संरक्षक,
सुरक्षा एवं कोर्टकेस,
उ०प्र० लखनऊ
दूरभाष: 0522-2205120 (का०)
0522-2207950 (आ०)

महोदय,

अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो (भारत) के चतुर्थ स्थापना दिवस पर अधिकृति नामक मानवाधिकार संरक्षिका स्मारिका के दिनांक 02 जनवरी 2009 को बैंकांक में विमोचन हेतु मैं अपनी हार्दिक शुभकामनायें ज्ञापित करता हूँ । आशा है कि आपकी संस्था मानवाधिकार संरक्षण के उददेश्यों को विश्व में सभी नागरिकों के मध्य ले जाने में सफल होगी ।

(रश्मिकान्त शुक्ला)

सेवा में,

श्री देवेन्द्र कुमार पाठक,
सचिव,
अन्तराष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो (भारत)
जे.6/7बी, अमर शहीद डा0 बालजी पाठक मार्ग,
जैतपुरा, वाराणसी - 221001

एस. के. गर्ग
कार्यपालक निदेशक
S. K. Garg
Executive Director

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड
बरौनी रिफाइनरी बेगूसराय - 851 114 (बिहार)
Indian Oil Corporation Limited
Barauni Refinery : Begusarai - 851 114 (Bihar)
Tel. : 06243 - 240101/275201
Fax : 06243 - 240161
Gram : OILREFIN, E-mail : GARGSATISH@iocl.co.in

इंडियनऑयल

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो (भारत) द्वारा अपने चतुर्थ स्थापना दिवस के अवसर पर "अधिकृति" नामक संरक्षिका के स्मारिका का विमोचन 2 जनवरी, 2009 को बैंकाक में करने जा रहे हैं।

मैं इसके लिए आपकी संस्था के सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

इस संस्था के उद्देश्यों से स्पष्ट होता है कि मानवाधिकार संरक्षण की दिशा में उठाया गया यह सराहनीय प्रयास है। वास्तव में आज ज्ञान एवं विज्ञान अपनी उत्कृष्टता पर है और दिन-प्रति-दिन उत्कृष्टता की ओर आगे ही आगे बढ़ता जा रहा है। इस पर गर्व होता है। साथ ही साथ मनुष्य की मनुष्य के प्रति भावशून्यता बढ़ी है - तो यह सोचना पड़ता है कि क्या मनुष्य आज मनुष्य होने पर गर्व कर सकता है ? सभी को अपने अधिकार की पड़ी है परन्तु कर्त्तव्य की ओर किसी का ध्यान जाता ही नहीं है। दूसरों के अधिकार के प्रति भी हमें सम्वेदनशील होना होगा। आज जरूरत है कि विश्व को एक ही परिवार मानते हुए मानवता एवं प्रकृति की रक्षा के संदर्भ में सकारात्मक उपाय किए जाएं तथा ज्ञान विज्ञान को विध्वंश के लिए नहीं वरन् मानवता के कल्याण के लिए उपयोग किए जाएं।

नि:संदेह आपकी संस्था का उद्देश्य इसी ओर अभिप्रेरित है - यह अत्यन्त ही सराहनीय कदम है। इस उद्देश्य की पूर्ति में अधिक से अधिक लोग सम्मिलित हों और सक्रिय रूप से अपना योगदान दें तभी मानवाधिकार संरक्षण की सार्थकता दृष्टिगोचर होगी।

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षाण ब्यूरो (भारत) के द्वारा किए जा रहे प्रयासों की एक बार फिर सराहना करता हूँ और अनेकों शुभकामना देता हूँ।

(एस के गर्ग)
कार्यपालक निदेशक

Prof. S.Mohanty, MS, M.Ch., FACS, FAMS, FICS, F.N.A Sc.
Ex. Dean & Director, IMS, BHU, Varanasi,
Ex. Principal, IMS & SUM Hospital, Bhubaneswar
Advisor, Superspecilaties and Professor of Neurosurgery,
IMS & SUM Hospital,
Bhubaneswar

INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
K-8, KALINGA NAGAR, BHUBANESWAR
Ph.- 91-674-2384214 (O)
Mobile - 09437035901

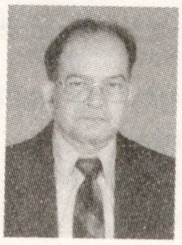

To

Mr. Devendra Kumar Pathak
(Secretary) I.H.R.P.B (India)
J.6/7 B, Near Police Station, Jaitpura,
Varanasi – 221 001

Man is a social animal. He is accountable to society and society is accountable to him. As he or she grows in age and experience, the former commitment becomes predominant. Social life demands certain norms, tradition, rules guiding inter personal relationship, contribution towards well being of the society. They are based on education, healthcare, positive reinforcement and rational thinking which are specific human characteristics and values. When society promotes such values, individuals accomplish and achieve greater and higher levels in society.

However, such a ideal situation does not happen always. Jealousy, competitive sprit, exploitation of "have nots" by "haves", and mind poisoned by deviant teachings or preaching by social leaders ruin the healthy mind of millions. This leads to degenerate, frustrated persons and they in turn spoil the social structure by dismantling it. He ruins himself and other members of the society.

Thus human right, which is right of every human being once born, must promote all positive values of living in a society may be its art of living or science of living. It is criminal to destroy such healthy drives of a human being, more so during development and growth. In order to ensure protection of rights of individual to contribute towards a healthy, happy and prosperous society, an organization has important role to play in resolving conflicts.

International human rights protection bureau (India) headed by eminent personalities like Dr. G.P.Dubey, Mr. Devendra Pathak and others have a bright future in spreading the ancient Indian philosophy among mankind to live a better, healthier and happier life, sharing happiness and sacrifice among human beings. All tricks and maneuver to exploit and impose pain and suffering to another human being who happens to be physically, mentally, socially or economically weak to be stopped to protect their basic human rights.

Prof. S.Mohanty